Roll No. ……..

MAHL–104

साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी समालोचना
M. A. Hindi (MAHL–12/16/17)
First Year, Examination, 2018

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. टी. एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।
2. काव्य क्या है ? काव्य के स्वरूप की ऐतिहासिक परम्परा दर्शित कीजिए।
3. काव्य प्रेरणा के सन्दर्भ में काव्य हेतु सिद्धान्त का मूल्यांकन कीजिए।
4. आई. ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्तों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आधुनिकता से आप क्या समझते हैं ? आधुनिकता के प्रमुख लक्षणों के सन्दर्भ में अपना मत स्पष्ट कीजिए।
2. मार्क्सवादी हिन्दी आलोचना का परिचय दीजिए।
3. 'प्लेटो का काव्य चिन्तन' विषय पर टिप्पणी कीजिए।
4. रस संबंधी विभिन्न मतों की व्याख्या कीजिए।
5. काव्य प्रयोजन सम्बन्धी विभिन्न मतों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
6. ध्वनि और उसकी शब्द शक्तियों पर विचार कीजिए।
7. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद पर विचार कीजिए।
8. नई समीक्षा की प्रमुख मान्यताओं को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्य/असत्य का चुनाव कीजिए :

1. अलंकार सम्प्रदाय के प्रवर्त्तक भामह माने जाते हैं।

2. शंकुक ने अनुमतिवाद सिद्धान्त दिया है।
3. 'साहित्यदर्पण' ग्रन्थ के रचयिता आचार्य मम्मट हैं।
4. रसगंगाधार आचार्य भरतमुनि की रचना है।
5. विरेचन सिद्धान्त का प्रवर्तन अरस्तू ने किया।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

6. आचार्य भरत ..... हैं। (अलंकारवादी / ध्वनिवादी / रसवादी)
7. ध्वनि सिद्धान्त का प्रवर्तन ..... ने किया।
   (मम्मट / विश्वनाथ / आनन्दवद्धेत)
8. वक्रोक्ति सिद्धान्त के प्रवर्तक ..... हैं।
   (आचार्य कुन्तक / आचार्य भरत / विश्वनाथ)
9. मम्मट ..... आचार्य हैं। (ध्वनिवादी / रसवादी / अलंकारवादी)
10. नाट्यशास्त्र के रचयिता ..... हैं। (भरत / विश्वनाथ / मम्मट)